

फर्द अहकाम


(नियम 26)

अज अदालत :- उपखण्ड अधिकारी मुकाम:- नसीराबाद

पद्म उदियथान बनाम जेप्री के.

किस्म मुकदमा :- 88,188 PTA, 136 LPA.

प्रकरण संख्या 63 सन् :- 2018

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
26.4.18	<p>अधिवक्ता वादी ने उक्त वादपत्र पेश किया। वाद पत्र पर वकील वादी को सुना गया। वाद पत्र के साथ सलग्न धारा 80 (2) सी.पी.सी. प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रकरण आवश्यक प्रकृति का है। अतः प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 80 (2) सी.पी.सी. स्वीकार किया जाता है। वादपत्र दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण को जरियके नोटिस तलब किया जावे। पत्रावली वास्ते इन्तजारी तलबी दिनांक 15.6.18 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">—h</p> <p style="text-align: center;">गाय आपक द्वार अभियान - 2018</p> <p style="text-align: center;">लोक अदालत</p>	
15.6.18	<p>पत्रावली का पत्र लक्ष्य खाता है केवल इन्हीं। बाज परीक्षा के जवाब के लिए जो था। निम्न किता जमा प्रतिवादी जेप्री स्वयं ने उपरिखण्ड हो कर लक्ष्य दर्ज अख्तियार व वाद है अपनी अहमती अहमती वादी ने इन्तजारी पत्रावली के निवेदन किताव।</p> <p>लक्ष्य खाता के खाता नम्बर 56/39 किता 82 नम्बर 1.13, 55/38 किता 251 नम्बर 4.70 की अहमती वादी की पुर्तगी है इन्त अहमती वादी का नाम गुरी के पत्नी के वाद किता है किता वादी का नाम पद्म उदियथान किता जमा।</p> <p style="text-align: center;">—h</p>	 <p>रु. कि. जेप्री</p>

पत्रावली का व्यवहार किया। वास्तव में आवेदन  
 वही का नाम प्राप्त किया है जो कि उक्त वानिक  
 व वही नाम प्रधान है। प्रत्येक वानिक पत्र का धारक  
 इन बातों से इस वही का नाम प्रधान ही है उक्त नाम  
 उक्त वानिक के वानिकी के हिसाब पर कोई विवरण  
 प्राप्त नहीं पड़ेगा। उक्त वानिकी में कोई भी उक्त वानिकी है  
 उक्त वानिकी में उक्त का उक्त नहीं किया है

अतः उक्त वानिकी के उक्त वानिकी 56/33 वानिकी  
 8 उक्त 1.12 व 55/33 वानिकी 23 उक्त 4.70 की वानिकी  
 पर वही का नाम उक्त वानिकी किया जाता है। उक्त वानिकी  
 पर वही का नाम प्राप्त के हिसाब पर प्रधान किया जाये  
 प्रत्येक उक्त उक्त वानिकी उक्त वानिकी की उक्त उक्त  
 जारी हो। पत्रावली के उक्त उक्त हो वानिकी के उक्त हो  
 व वानिकी उक्त हो

पीठासीन अधिकारी  
 लोक अदालत/कैम्प कोर्ट  
 वास्तव

न्यायालय श्रीमान

पप्पू उर्फ  
 ग्राम ले  
 श्री S.T. (वानिकी) जिल  
 उक्त वानिकी को  
 उक्त उक्त  
 26

न्याय आपके द्वार 2018  
डिक्री व मुकदमें इब्टाई  
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद

पप्पू उर्फ प्रधान बनाम गोमीं

दावा बाबत :- 88, 188 रा.का.अधि 1955

राजस्व मुकदमा नम्बर -63/18  
पेश करने की दिनांक - 26.4.18

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिनाल कतई रूबरू श्री वीरेन्द्र सिंह यादव (आर. ए. एस)-व हाजिर अभिभाषक सीताराम रावत मुददई स्वयं मिनजामिन मुदायला पेश हो कर दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि :-

ग्राम लोहरवाडा के खाता संख्या 56/39 किंता 8 रकबा 1.13 व 55/38 किंता 23 रकबा 4.70 की आराजी पर वादी का वाद "स्वीकार" किया जाता है। उक्त आराजी पर वादी का नाम पप्पू के स्थान पर प्रधान किया जावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे।

उपखण्ड अधिकारी  
नसीराबाद

खर्चा इस मुकदमें में मय सूद व शरह तक को सालाना आज की तारीख से यानि वसूली तक को अदा करे।

बअखत दस्तखत व मोहर अदालत के आज दिनांक 15 माह 06 सन् 2018 को जारी की गयी।

मुददई

मुदायला

स्टाम्प अरजी दावा  
स्टाम्प वकालतनामा  
स्टाम्प वजह सबूत  
मेहनताना वकील  
फीस कमिश्नर  
खर्चा गवाहान  
बाबत् इजराय हुक्मनामा  
मुतफरिक

स्टाम्प वकालतनामा  
स्टाम्प अरजी  
मेहनताना वकील  
खर्चा गवाहान  
फीस कमिश्नर  
बाबत् इजराय हुक्मनामा  
मुतफरिक

मिजान

मिजान



उपखण्ड अधिकारी  
नसीराबाद